



हरिभूमि रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

11 पीजीआई में स्तनपान कक्ष और पोषण पुनर्वास ...



12 खुली गुंडागर्दी, पुलिस से शिकायत के बाद भी ...



सोने के सभी आभूषणों पर सिर्फ

5%

मेकिंग चार्जस

50K

या उससे ऊपर की हीरे की खरीदारी पर पाए एक

चाँदी का सिका मुफ्त

P.P. Jewellers

— Rohtak —

SUNDAY OPEN

1 लाख

या उससे ऊपर की हीरे की खरीदारी पर पाए एक

सोने का सिका मुफ्त

सभी हीरे के आभूषणों पर

25%

की छूट!

सेक्टर -2-3 की मार्केट बनी अखाड़ा, जज बने लोग, एक घंटे चला हाई-वोल्टेज ड्रामा

पार्षद बोले, यहां फड़ी वाले बोले-20 साल नहीं लगेगी फड़ी से यही ठिकाना, अब कहां जाएं

झगड़े की शिकायतें आती हैं व्यवस्था बनाना जरूरी

बाजार में आने-जाने वालों को होती है दिक्कत

100 रेहड़ी लगाने वालों की रोजी-रोटी पर संकट

दूसरी जगह पर न ग्राहक न कमाई, कैसे पलेंगे बच्चे

हरिभूमि न्यूज रोहतक

सेक्टर-2-3 मार्केट शनिवार को किसी टीवी डिबेट शो से कम नहीं दिखी। फर्क बस इतना था कि यहां एंकर नहीं था, लेकिन आवाजें ऊंची थीं। तर्क तेज थे और भावनाएं फुल आंन। एक घंटे तक चले हाई-वोल्टेज ड्रामे में पार्षद और फड़ी लगाने वाले एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते दिखे। पार्षद जहां कह रहे थे कि यहां फड़ी नहीं लगेगी। वहीं, फड़ी और रेहड़ी लगाने वाले कह रहे थे कि हम 20 साल से यही रेहड़ी लगाकर अपना परिवार का गुजर बसर कर रहे हैं, ऐसे में हम कहां जाएं। इस हंगामे में आसपास के लोग जज की भूमिका में दिखाई दे रहे थे। वे कभी पार्षद और कभी रेहड़ी वालों को समझाते दिखे, लेकिन तुरंत इसका समाधान निकलते नहीं दिखे। पार्षद ने कहा कि नगर निगम की ओर से इनके लिए दूसरी जगह तय कर दी गई है और सभी को वहीं जाकर रेहड़ी ठेली जाएगी। बता दें कि यहां 100 से अधिक लोग रेहड़ी फड़ी लगाते हैं।



रोहतक। पार्षद और नगर निगम के कर्मियों से बहस करते फड़ी लगाने वाले दुकानदार।
फोटो: हरिभूमि

पार्षद का दो टूक जवाब

पार्षद भी अपने स्टैंड पर अड़े रहे। कहा कि बाजार में फड़ी लगाने से ट्रैफिक जाम होता है, दुकानदारों को दिक्कत होती है और पैदल चलने वालों के लिए रास्ता तक नहीं बचता। निगम ने पैकलिपक व्यवस्था कर दी है, इसलिए नियम मानना सबके लिए जरूरी है। यहां रोज झगड़े होते हैं, शिकायतें आती हैं। व्यवस्था के लिए फड़ी यहां नहीं लगने दी जाएगी। दूसरी जगह दी गई है, वहीं लगाओ।

रोजी-रोटी छिन जाएगी

फड़ी लगाने वालों ने एक सूर में कहा कि वे करीब 20 साल से इसी मार्केट में सब्जी, फल और छोटे-मोटे सामान की फड़ी लगा रहे हैं। यहीं उनकी रोजी-रोटी है। साहब, यहां से बच्चों की फीस जाती है, घर का चूल्हा जलता है। अगर यहां से हटा दिया तो हमारे बच्चे भूखे मर जाएंगे। किसी ने कहा कि दूसरी जगह पर न तो ग्राहक आते हैं और न ही काम चलता है। नई जगह को सिर से खरिज कर दिया।

भारी हजूम पहुंचा

हंगामा बढ़ता देख आसपास के दुकानदार, ग्राहक और राहगीर भी रुक गए। कोई फड़ी वालों के समर्थन में बोलता दिखे, तो कोई पार्षद की बात को सही ठहराता नजर आया। करीब एक घंटे तक बहस, नोक-झोंक और भावनात्मक संवाद चलता रहा। बीच-बीच में माहौल इतना गर्म हो गया कि लोग मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगे, मानो कोई लाइव शो चल रहा हो।

नियमों का पालन करना होगा

हंगामे के बाद कोई ठोस समाधान तो नहीं निकला, लेकिन पार्षद ने साफ कर दिया कि नियमों का पालन करना ही होगा। वहीं, फड़ी वालों ने भी दो टूक कहा कि वे अपनी रोजी-रोटी छोड़कर दूसरी जगह जाने को तैयार नहीं हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि शहर की सुदूरता और व्यवस्था बनाने वाली रोजी-रोटी के बीच संतुलन कैसे बने। सेक्टर-2-3 मार्केट में आज भले ही हंगामा शांत हो गया हो, लेकिन यह मुद्दा अभी ठंडा पड़ता नजर नहीं आ रहा।

आधुनिकता और विरासत का संगम बनेगा रोहतक रेलवे स्टेशन

अमृत भारत योजना के तहत 29 करोड़ से हो रहा कायाकल्प
हरिभूमि न्यूज रोहतक

रेलवे स्टेशन जल्द ही शहर की सबसे आकर्षक इमारतों में शुमार होने वाला है। करीब 29 करोड़ रुपये की लागत से नवीकरण कार्य पूरा होने के बाद स्टेशन का स्वरूप किसी राजमहल जैसा दिखाई देगा। उत्तर रेलवे के गति शक्ति विभाग द्वारा स्टेशन को भव्य और अलग पहचान देने के उद्देश्य से विशेष डिजाइन पर काम किया जा रहा है। यह बदलाव केवल सौंदर्यकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यात्रियों की सुविधाओं को भी आधुनिक स्तर का बनाया जा रहा है। वर्ष 2023 में रोहतक रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया था। इसके बाद से स्टेशन के कायाकल्प की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है।



नई पहचान बनेगा स्टेशन

लोगों का मानना है कि नया स्वरूप मिलने के बाद रोहतक रेलवे स्टेशन केवल आवागमन का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि शहर की नई पहचान बन जाएगा। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और रोहतक आने वाले लोगों पर भी शहर की सकारात्मक छवि पड़ेगी। रेलवे विभाग के मुताबिक अब तक लगभग 80% काम पूरा हो चुका है। अंतिम चरण में विद्युत व्यवस्था, रंग-रोशन, फिनिशिंग और सजावटी लाइटिंग का कार्य तेजी से करया जा रहा है।

स्वरूप राजमहल जैसा दिखाई देगा

नवीकरण कार्य पूरा होने के बाद स्टेशन का स्वरूप किसी राजमहल जैसा दिखाई देगा। उत्तर रेलवे के गति शक्ति विभाग द्वारा स्टेशन को भव्य और अलग पहचान देने के उद्देश्य से विशेष डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इसके अलावा प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, पार्किंग और प्रवेश-निकास मार्गों को भी आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। -हिमंशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, रेलवे स्टेशन

स्वचालित सीढ़ियां लगेगी

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर दोनों तरफ स्वचालित सीढ़ियां (एस्केलेटर) लगाने की योजना है। इसके अलावा प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, पार्किंग और प्रवेश-निकास मार्गों को भी आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। रोहतक की विशेष व्यवस्था से रात के समय स्टेशन की खूबसूरती और निखरकर सामने आएगी। प्रदेश के लगभग 15 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है, जिनमें रोहतक प्रमुख केंद्र है। यहां करीब 29 करोड़ रुपये की लागत से नवीकरण कार्य चल रहा है।

जीआरसी डिजाइन का कार्य अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य

स्टेशन के मुख्य भवन पर फसाड लाइटिंग और जीआरसी (ग्लास फाइटिंग रिडिनफोर्सड कंक्रीट) डिजाइन का कार्य किया जा रहा है। इस विशेष डिजाइन के कारण स्टेशन का बाहरी हिस्सा अमी से राजसी अंदाज में नजर आने लगा है। मुख्य भवन के सामने लगभग 120 फीट क्षेत्र में यह सजावटी कार्य हो रहा है, जिसमें प्रवेश द्वार के बाईं और 62 मीटर और बाईं ओर 64 मीटर हिस्सा शामिल है। इस प्रोजेक्ट को गुरुग्राम की एक विशेषज्ञ फर्नेचर डिजाइन कंपनी डिजाइन में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी गुरुग्राम से ही मंगवाई जा रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार जीआरसी डिजाइन का कार्य अप्रैल माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस तकनीक में स्फेड सीमेंट, मार्बल दान, ग्लास फाइटिंग और विशेष कैमिकल से तैयार आकृतियों का प्रयोग किया जा रहा है, जो भवन को मजबूती के साथ-साथ आकर्षक लुक भी प्रदान करती है।

TATA की पेशकश



TANISHQ
Festival
Of Diamonds

फ्लैट 20% छूट
10,000+ डिज़ाइन्स में डायमंड की कीमत पर



Scan to explore more



फ्लैट 0% कटौती* पुराने सोने (9 कैरट जितना कम) के बदले में डायमंड ज्वेलरी खरीदने पर।

— GOLD —
EXCHANGE

To locate your nearest store and know more [on 8147349242](https://www.tanishq.co.in). Buy online at [tanishq.co.in](https://www.tanishq.co.in) or Download our App [Download our App](https://www.tanishq.co.in) *Conditions apply.

नया शोरूम :- मानसरोवर पार्क के पास, दिल्ली रोड, रोहतक टेली. : 1800 891 1250

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचत ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50-30-20 नियम अपनाएं

50-30-20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से को बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सके। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए। यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्विटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदे हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक

इन्फोस्टॉक



शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाम और टैक्स की सुविधा
इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइन्मेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है।

इन्फोस्टॉक
अगर निवेशक थूड्ड इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प है।

इन्फोस्टॉक
इक्विटी से बोध का लाम मिले
डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10-14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान
ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
थूड्ड इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अवसर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यू, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश
एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यू: नियमित आय का साधन
दूसरी ओर, एसडब्ल्यू उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका



खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यू से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय
फाइनेंशियल एडवाइजरों का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यू दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना

बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यू से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर ?
युवा निवेशक: जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
रिटायर लोग: जिनके हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यू आदर्श है।
मध्यम आय वर्ग: एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यू से उसका लाभ उठा सकते हैं।
एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यू से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेंट कन्वर्जन या रीसेट चार्ज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य एड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेंट कन्वर्जन या रीसेट चार्ज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य एड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज
हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क है जो बैंक आपके आवेदन का कानूनीकरण करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने



के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोहामबा करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।
प्रीपेमेंट पेनल्टी
प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लॉटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) लोन लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटररेट रेट और हाइब्रिड इंटररेट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बैंकिंग होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कमी-कमी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत
अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बढ़ने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फॉरवर्डरिंग पेनल्टी भी लग सकती है। श्रेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज
कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (खुट

अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना
इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद पैदा हो सकते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्ज
सीईआरएसएआई (सेटल रजिस्ट्री ऑफ सिविल टाइटलेशन एक्ट रिकॉर्डेशन एंड सिविलिट्री इंटररेट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। श्रेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्ज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉनिंग के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएस्टी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन' आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोन बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटररेट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करे। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा बाजार आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिस्सा से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल बोध का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगाड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	गुड लोन	बैड लोन
ब्याज दर	निम्न	उच्च
समय	लंबा	कम
उद्देश्य	संयोजित	व्यय
रिस्क	निम्न	उच्च
सुरक्षा	सुरक्षित	असुरक्षित
व्याज	निम्न	उच्च
आधार	सुरक्षित	असुरक्षित
गुड लोन	ब्याज दर	उपेक्षाकृत कम
बैड लोन	समय	लंबी अवधि
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित
बैड लोन	रिस्क	उच्च
आधार	सुरक्षा	असुरक्षित
गुड लोन	व्याज	निम्न
बैड लोन	समय	लंबा
आधार	उद्देश्य	व्यय
गुड लोन	रिस्क	निम्न
बैड लोन	सुरक्षा	असुरक्षित
आधार	व्याज	उच्च
गुड लोन	समय	लंबा
बैड लोन	उद्देश्य	व्यय
आधार	रिस्क	उच्च
गुड लोन	सुरक्षा	सुरक्षित
बैड लोन	व्याज	उच्च
आधार	समय	कम
गुड लोन	उद्देश्य	संयोजित

शहर में आज

- मदवि में टेनिस प्रतियोगिताएं
- बिजली बाधित सुबह 9:00 से 11:00 तक स्थान: 33 केवी ऑफिसर कॉलोनी पावर हाउस, जाट संस्था, ओमैक्स सिटी, देव कॉलोनी, विनय नगर, दिल्ली बाईपास फीडर सेक्टर 14 सुबह 10.00 से दोपहर 02.00 बजे तक स्थान: 11केवी गोहाना रोड, छोटू राम नगर, हनुमान कॉलोनी, सुखपुरा चौक, राजेंद्र नगर, प्रवेश नगर, सूर्य नगर।



छात्राओं ने कार्यशाला में सीखे आत्मरक्षा के गुर

महम। मोखरा गांव के साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय में कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ द्वारा तीन दिवसीय आत्म रक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में छात्राओं ने आत्म रक्षा के गुर सीखे। इस कार्यशाला का मकसद छात्राओं में आत्म विश्वास बढ़ाना, उन्हें व्यावहारिक आत्म रक्षा तकनीकों की जानकारी देना और विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के लिए सक्षम बनाना था। कार्यशाला में डिफेंस ट्रेनर रणवीर सिंह ने छात्राओं को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकें सिखाईं। उन्होंने दैनिक जीवन में आने वाली स्थितियों जैसे पीछा किए जाने, अचानक हमले, छेड़छाड़ या असहज परिस्थितियों से निपटने के लिए सरल व प्रभावी उपायों का अभ्यास करवाया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू ने न केवल कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में छात्राओं का आत्मनिर्भर और सजग होना अत्यंत आवश्यक है।

श्रीमद्भागवत 18 पुराणों का सार- जिसे पंचम वेद की उपाधि प्राप्त

रोहतक। जन्ता कॉलोनी स्थित तेजराम आश्रम मंदिर में भागवत कथा का हवन और अंशु के साथ धूमधाम से समान हुआ। कथा समापन अवसर पर महामंडलेश्वर राधेवेंद्र महाराज सहित राधेश्याम, अशोक शर्मा, सुमित गर्ग, अनिल अग्रवाल, देवेन्द्र, बिजेन्द्र कौशिक व संजय शर्मा ने हवन में भाग लेकर जनकल्याण के लिए आहुतियां अर्पित कीं। कथा व्यास पंडित श्रीमूल वशिष्ठ ने ब्रह्मलीन पंडित जय भगवान वशिष्ठ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण 18 पुराणों का सार है, जिसे पंचम वेद की उपाधि प्राप्त है। इसके श्रवण से जीवन सफल होता है और सबसे पहले माता-पिता की सेवा व समस्त जीवों के कल्याण की भावना रखनी चाहिए। इस अवसर पर कलश यज्ञ में शामिल महिलाओं को कलश के साथ स्मृति चिन्ह व प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। हवन के बाद आयोजित अंडार में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आप हुए अतिथियों व बाह्यगणों का भी सम्मान किया गया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN

- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS

- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैन्ल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S., M.S., M.Ch.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) JER POISONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARMACY/AMBULANCE

वारदातें बनीं चुनौती, कई खुलासों के बावजूद आमजन में डर बरकरार

शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों तक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि शहर की पॉशा कॉलोनियों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक चोरों का खौफ देखने को मिल रहा है। पुलिस ने कई मामलों का खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि चोरी की चुनौती अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में जिले भर में 360 घरों में चोरी की वारदातें दर्ज की गईं। इन घटनाओं में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान पर चोरों ने हाथ साफ किया। लगातार बढ़ती वारदातों के चलते आमजन में चिंता और डर का माहौल बना हुआ है।

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

जिले में बीते एक साल के दौरान चोरी की बढ़ती घटनाओं ने कानून-व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले में घरों और वाहनों में चोरी की लगातार हो रही वारदातों से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि शहर की पॉशा कॉलोनियों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक चोरों का खौफ देखने को मिल रहा है। पुलिस ने कई मामलों का खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि चोरी की चुनौती अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में जिले भर में 360 घरों में चोरी की वारदातें दर्ज की गईं। इन घटनाओं में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान पर चोरों ने हाथ साफ किया। लगातार बढ़ती वारदातों के चलते आमजन में चिंता और डर का माहौल बना हुआ है।

एक साल में 360 घरों में चोरी, 160 मामलों का खुलासा, कई शांतिर चोर गिरफ्तार

कहां-कहां हुई सबसे ज्यादा चोरियां

घर में चोरी की घटनाएं जिले के शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण इलाकों में लगभग समान रूप से सामने आई हैं। रिहायशी कॉलोनियां, सेक्टर, अपार्टमेंट और शहर के बाहरी क्षेत्रों में बने मकान चोरों के निशाने पर रहे। पुलिस जांच में सामने आया है कि अधिकतर मामलों में बंद मकानों को टारगेट किया गया। दिन के समय जब लोग नौकरी, व्यापार या अन्य कामों से बाहर रहते हैं, उसी दौरान चोरों ने ताले तोड़कर या दरवाजे-खिड़कियों के रास्ते घरों में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

कई मामलों में अहम सुराग हाथ लगे

जिले में बीते एक साल के दौरान घरे और बाइक चोरी की घटनाएं सामने आई हैं, जिन पर पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई की है। कुल 360 घरों में चोरी के मामलों दर्ज हुए हैं, जिनमें से 160 मामलों का खुलासा किया जा चुका है। घरे मामलों की जांच तेजी से चल रही है और कई मामलों में अहम सुराग हाथ लगे हैं।
-सुरेद्र गौरिया, एस्पपी, रोहतक

पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया

चोरी की घटनाओं में इजाफा होने के बाद पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विशेष टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने नियमित गश्त, नाकाबंदी और संदिग्धों की जांच तेज की। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कई मामलों में आरोपियों की पहचान की गई। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया, जिससे शांति चोरों और गिरोहों तक पहुंचने में पुलिस को मदद मिली।

बड़ी संख्या में मामले लंबित, जांच जारी

पुलिस के मुताबिक, दर्ज किए गए 360 घरों में चोरी के मामलों में से अब तक 160 केस सुलझाए जा चुके हैं। इन मामलों में कई शांतिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से चोरी किया गया सामान भी बरामद हुआ है। पुलिस का दावा है कि तकनीकी जांच और सीसीटीवी कैमरों की मदद से इन मामलों को सुलझाने में सफलता मिली। हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जिनकी जांच जारी है।

पुलिस की आगजन से सतर्क रहने की अपील

पुलिस प्रशासन ने चोरी की घटनाओं से बचाव के लिए आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। लोगों को सलाह दी गई है कि घर से बाहर जाने समय ताले अच्छी तरह लगाएं, पड़ोसियों को जानकारी दें और घरों में सीसीटीवी कैमरे लगावाएं। बाइक चालकों को वाहन हमेशा लॉक करके रखने, डबल लॉक का इस्तेमाल करने और सुरक्षित स्थान पर पार्किंग करने की सलाह दी गई है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया है।

पीजीआई में स्तनपान कक्ष और पोषण पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन



रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने पीजीआई के पीडियाट्रिक विभाग की ओपीडी में नव निर्मित स्तनपान कक्ष और पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का उद्घाटन किया। डॉ. अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. कुंदन मित्तल ने स्तनपान कक्ष और एनआरसी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। कहा कि स्तनपान नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पीजीआईएम्एस रोहतक मरीजों और उनके परिवारों के लिए सुविधाओं में सुधार के लिए लगातार काम कर रहा है। निदेशक डॉ. एस्के सिंघल ने कहा कि पीजीआईएम्एस रोहतक में स्तनपान कक्ष और एनआरसी की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

युवाओं का सकारात्मक दृष्टिकोण ही देश के भविष्य की दिशा तय करेगा: प्रो. आंचल

बीएमयू में विकसित भारत 2047 पर सार्विक शैक्षणिक संवाद

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में विकसित भारत 2047 में विषय पर एक फैकल्टी टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) बीएम यादव और रजिस्ट्रार (डॉ.) विनोद कुमार के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य शिक्षकों और शैक्षणिक समुदाय को विकसित भारत की राष्ट्रीय सोच से जोड़ते हुए उनकी भूमिका को स्पष्ट करना रहा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रिती और आयोजन सचिव डॉ.



सीमा देवी रहीं। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ.) अरुणा आंचल, डीन शिक्षा संकाय ने विषय पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शिक्षा, कानून, सुरासन, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों की समान रूप से अहम भूमिका है। संवोधन में प्रो. आंचल ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचार, कौशल और सकारात्मक

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर डॉ. राजरानी, डॉ. प्रमिला, डॉ. नेहा, डॉ. विनोती, डॉ. सोनिया, डॉ. हरविंदर, डॉ. राहुल, आकाश दीप, अनुज, डॉ. अतुल, डॉ. अभिषेक सहित अन्य विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।
दृष्टिकोण ही देश की भविष्य दिशा तय करेगा। कार्यक्रम के समापन पर विभाग के डीन डॉ. मनीष दलाल ने सफल आयोजन के लिए आयोजक टीम और प्रतिभागी शिक्षकों को बधाई दी।

श्रीमद्भागवत 18 पुराणों का सार- जिसे पंचम वेद की उपाधि प्राप्त

रोहतक। जन्ता कॉलोनी स्थित तेजराम आश्रम मंदिर में भागवत कथा का हवन और अंशु के साथ धूमधाम से समान हुआ। कथा समापन अवसर पर महामंडलेश्वर राधेवेंद्र महाराज सहित राधेश्याम, अशोक शर्मा, सुमित गर्ग, अनिल अग्रवाल, देवेन्द्र, बिजेन्द्र कौशिक व संजय शर्मा ने हवन में भाग लेकर जनकल्याण के लिए आहुतियां अर्पित कीं। कथा व्यास पंडित श्रीमूल वशिष्ठ ने ब्रह्मलीन पंडित जय भगवान वशिष्ठ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण 18 पुराणों का सार है, जिसे पंचम वेद की उपाधि प्राप्त है। इसके श्रवण से जीवन सफल होता है और सबसे पहले माता-पिता की सेवा व समस्त जीवों के कल्याण की भावना रखनी चाहिए। इस अवसर पर कलश यज्ञ में शामिल महिलाओं को कलश के साथ स्मृति चिन्ह व प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। हवन के बाद आयोजित अंडार में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आप हुए अतिथियों व बाह्यगणों का भी सम्मान किया गया।

शटलकॉक चैंपियनशिप: हरियाणा की अंकिता ने स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

वैश्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को नेशनल ओपन शटलकॉक चैंपियनशिप का आयोजन किया। प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल से दर्शकों का मन मोह लिया। सीनियर महिला वर्ग एकल में हरियाणा की अंकिता ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश की रश्मि ने रजत व दिल्ली की प्रीति ने कांस्य पदक जीता। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन शटलकॉक एसोसिएशन हरियाणा के अध्यक्ष राजीव कुमार मित्तल ने किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।



सिवाच संजीवनी हॉस्पिटल की सराहनीय पहल, बुजुर्गों के लिए फ्री ओपीडी प्रारंभ

रोहतक। गोहाना रोड स्थित सिवाच संजीवनी हॉस्पिटल, रोहतक द्वारा समाजहित में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। अस्पताल प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क ओपीडी सेवा शुरू की है। इस सेवा के अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा बिना किसी शुल्क के चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। डॉ. करण सिवाच ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना आर्थिक चिंता के अपनी जांच और परामर्श करवा सकें। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि बुजुर्गों का स्वास्थ्य रक्षण की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अस्पताल प्रशासन ने अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों से इस नि:शुल्क ओपीडी का लाभ उठाने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि सिवाच संजीवनी हॉस्पिटल इससे पहले भी समय-समय पर फ्री स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है।



MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN

- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS

- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैन्ल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S., M.S., M.Ch.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) JER POISONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARMACY/AMBULANCE

प्रशिक्षण पीजीआई में ओटो राइडो लैरिंगोलोजी कार्यशाला का आयोजन

ईएनटी में निपुणता पर विशेषज्ञों का जोर

विशेषज्ञ कल देंगे प्रशिक्षकों को उनके कार्यों का फीडबैक

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के एनाटॉमी विभाग के डॉ. डी.के.एस. ने शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मंच का संचालक जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोड़ा ने किया। यह कार्यशाला एनाटॉमी विभाग और जैन नेस्ट संस्था के द्वारा हरियाणा मेडिकल काउंसिल के तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. विकास कक्कड़ ने बताया कि शनिवार से शुरू हुईं जौनेक्ट ईएनटी सर्जन्स की यह पांचवीं कार्यशाला थी। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का विषय पिन्ना से पेट्रस तक ओटो रैडिओलैरिंगोलॉजी में सटीकता रखना गया था। यहां बता दें कि ओटो रैडिओलैरिंगोलॉजी जिसे आमतौर पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के समापन पर कल प्रशिक्षकों को उनके द्वारा किए गए कार्यों का विशेषज्ञों द्वारा फीडबैक दिया जाएगा और प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे।



रोहतक। आयोजित कार्यशाला का निरीक्षण करते पीजीआई के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल, डॉ. विकास कक्कड़ व डॉ. ओपी सचदेवा व सीएमओ रमेश कुमार।
निदान, उपचार और प्रबंधन से संबंधित है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर पीजीआई के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल उपस्थित हुए थे। उन्होंने बताया कि ईएनटी में भी अब कई स्पेशलिटी आ रही है। उन्होंने कार्यशाला के दौरान ओटोराइडिओलैरिंगोलॉजी में सटीकता में निपुणता पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के समापन पर कल प्रशिक्षकों को उनके द्वारा किए गए कार्यों का विशेषज्ञों द्वारा फीडबैक दिया जाएगा और प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे।

ये रहे मौजूद

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली व महाराष्ट्र से चिकित्सक शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. एस.पी.एस. यादव, डॉ. ओपी सचदेवा, डॉ. पद्म सिंह, डॉ. रमन शर्मा, डॉ. विनोद पांचाल, डॉ. एजाज उल हक, डॉ. सरल आहुजा, डॉ. जयदीप मोंगा और डॉ. अखिल प्रताप सहित कई वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी गरिमायुी उपस्थिति दर्ज कराई।

पूरक परीक्षाओं का की शेड्यूल आया

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। शिक्षा निदेशालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत कक्षा पहली से आठवीं तक की वार्षिक परीक्षाओं व सप्लीमेंट्री परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी गई है। वार्षिक परीक्षाएं मार्च में और सप्लीमेंट्री परीक्षाएं अप्रैल में आयोजित की जाएंगी। परीक्षाएं 11 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जाएंगी और रविवार को छोड़कर लगातार होंगी। निदेशों के अनुसार कक्षा 6 से 8 की परीक्षाएं 11 मार्च से शुरू होंगी, जबकि कक्षा 1 से 5 की परीक्षाएं 13 मार्च से आयोजित की जाएंगी।

एक से 8वीं तक की वार्षिक परीक्षाओं की डेटशीट जारी

10 वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाओं की तारीख बदली

हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने कक्षा 10वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव किया है। निदेशालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में गजेटेड होलिडे (सार्वजनिक अवकाश) होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर नई तिथियों के अनुसार परीक्षा आयोजित करने को कहा है। नोटिस के अनुसार 23 जनवरी को होने वाली 10वीं कक्षा की हिंदी की परीक्षा अब 31 जनवरी को होगी। 12वीं कक्षा की गणित / जीव विज्ञान / राजनीति विज्ञान / पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की परीक्षा अब पांच फरवरी को होगी।

खबर संक्षेप

हिमालय ज्ञान का महासागर: सिद्धार्थ ओलिया

रोहतक। मुरथल रोड स्थित समर्थगुरुधाम में महामंडलेश्वर विरेदर आनंद गिरि ने समर्थगुरु सिद्धार्थ ओलिया से आध्यात्मिक मुलाकात की और सनातन धर्म के सशक्तिकरण पर बातचीत हुई। समर्थगुरु ने कहा कि हिमालय ज्ञान का महासागर एवं ऊर्जा का केंद्र है। इसलिए भारतीय योग की शिक्षा उल्लेखनीय है। सरकारी व निजी विद्यालयों में प्राथमिकी जानी चाहिए। विद्यालय पाठ्यक्रम में प्रतिदिन 20 मिनट का ध्यान होना चाहिए। इस अवसर पर ओशोधारा के केन्द्रीय कोऑर्डिनेटर आचार्य दर्शन, आचार्य देवन व समर्थगुरु सचिव मां गीराबाई मौजूद रहे। वहीं राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य समर्थगुरु संघ कोर्डिनेटर आचार्य सुभाष ने बताया कि 30 जनवरी से एक फरवरी तक हिसार में होने वाले 2121 सिद्धार्थ ध्यान योग की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। समर्थगुरु इस ऐतिहासिक प्रोग्राम में 31 जनवरी को चौपरी रिजॉर्ट, राजगढ़ रोड, हिस्सार पहुंचकर साधकों को एक साथ आंकार दीक्षा देंगे।

महम में मनरेगा मजदूरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

महम। महम में शनिवार को मनरेगा मजदूरों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। मनरेगा मजदूर कल्याण बोर्ड का पोर्टल न खोलने से नाराज थे। साथ ही सरकार द्वारा मजदूरों को फर्जी बताने पर गुरसा था। मजदूरों का कहना था कि सरकार मनरेगा को खत्म करने पर तुली हुई है। सरकार की नीतियों से नाराज मनरेगा मजदूरों ने संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के आह्वान पर सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आवास पर जोरदार प्रदर्शन करने की योजना बनाई। काफी संख्या में मनरेगा मजदूर अनाज मंडी में एकत्रित हुए। जैसे ही पुलिस के पास यह सूचना पहुंची की प्रदर्शनकारी राजस्थान सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आवास को छोड़ रहे हैं। राजस्थान सांसद वहां पर नहीं मिले। कई देर हो गई तो, उसके बाद तहसीलदार रवि कुमार भी वहां पहुंचे। प्रदर्शनकारियों अपना मांग पत्र तहसीलदार को सौंपा।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही सरकार : बल्लू

रोहतक। इनलो के युवा जिला प्रधान बल्लू खेड़ी साथ ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। कहा कि पढ़े लिखे युवा रोजगार की तलाश के लिए दर दर की ठोकरें खाते पर मजबूर हैं, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है। चुनाव के दौरान सरकार ने हर घर नौकरी देने का वायदा किया था, लेकिन अभी तक सरकार ने वायदा पूरा नहीं किया, जिससे युवाओं में भारी रोष है। इनलो के युवा जिला प्रधान बल्लू शनिवार को गढ़ी सापला किलोई के गांव वहीठ, गिहड़ी, अटपल, ईसमाइला में आयोजित युवा सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। बताया कि 20 जनवरी को रोहतक में दिल्ली बाईपास टाऊ देवोपाला पार्क के स्थाने नूर गार्डन में इनलो युवा महा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इनलो के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्ण सिंह चौटाला बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे, समारोह की अध्यक्षता प्रदेश युवा अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी करेंगे। कृष्ण कौशिक एडवोकेट, डॉ. राजपाल देवपाल, राकेश, सतीश नंदल रिवाल, सोनू कंसरेटी, अनिल हुड्डा, मंगीत कच्छेली, विरेन्द्र नांदल, राजबीर वाल्मीकि, मुकुल भारद्वाज, रजनेश मलिक, सूरज देहराज आदि मौजूद रहे।



जीएनडीयू को पराजित कर मदवि बनी चैंपियन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में आयोजित नॉर्थ जून इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट (महिला) टूर्नामेंट 2025-26 का समापन एमडीयू रोहतक की शानदार और यादगार जीत के साथ हुआ। फाइनल मुकाबले में एमडीयू की टीम ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू) अमृतसर को 6 विकेट से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। एमडीयू की वंदना मेन ऑफ द मैच बनीं। एमडीयू की टीम ने ऑलराउंडिंग इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में क्वालीफाई कर लिया है। एमडीयू की टीम पिछले 16 साल से ऑल इंडिया प्रतियोगिता में स्थान हासिल कर रही है। प्रतियोगिता में एमडीयू रोहतक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जीएनडीयू अमृतसर की टीम उपविजेता रही। हिमालय प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला ने तीसरा स्थान हासिल किया और कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल चौथे स्थान पर रही। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमडीयू रोहतक की टीम ने बेहतरीन संतुलन, अनुशासित खेल और मजबूत टीम भावना का परिचय देते हुए लगातार शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने दबाव के क्षणों में संयम बनाए रखा और लक्ष्य को आसानी से हासिल कर दर्शकों का भरपूर उत्साह बढ़ाया।

मुंडाना के नेशनल फुटबॉल खिलाड़ी अजय का निधन

रोहतक। नेशनल फुटबॉल खिलाड़ी अजय दाका उर्फ कुकू का दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। वह मुंडाना गांव के रहने वाले थे। रात को अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। एक फोन टुक, अनुशासित और सक्रिय खिलाड़ी की इस तरह अचानक हृदय मृत्यु से पूरा गांव स्तब्ध है। अजय दाका खेल जगत में अपनी पहचान रखने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने नेशनल स्तर पर फुटबॉल खेलकर प्रबंध और गांव का नाम रोशन किया। खेल के साथ-साथ अजय एक मेहनती और प्रोफेशनल किसान भी थे। पिछले कई वर्षों से वह आधुनिक तरीके से खेती कर रहे थे और लगातार अच्छी फसल तैयार कर अपने परिवार का भरपूर पोषण करते थे।

पनीर कारोबारी को डराया-धमकाया, व्यापारियों में आक्रोश खुली गुंडागर्दी, पुलिस से शिकायत के बाद भी युवकों ने की तोड़फोड़

दुकानदार ने पनीर खाने से रोका था, इससे गुस्साए युवकों ने दुकान को निशाना बनाया, शिकायत की तो लाठी-डंडों से हमला, भागकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

पालिका बाजार में पनीर की दुकान में तोड़फोड़ की घटना से व्यापारियों में रोष फैल गया। आरोप है कि कुछ युवक बिना पैसे दिए पनीर उठाकर खाने लगे। दुकानदार द्वारा रोके पर न सिर्फ उसे धमकियां दी गईं, बल्कि बाद में उसकी दुकान में जमकर तोड़फोड़ भी की गई। दुकानदार ने धमकी मिलने के बाद पुलिस को शिकायत दी थी और वापस दुकान पर आ गया था। जहां आरोपी देवारा आए और हमला कर तोड़फोड़ कर गए। दुकानदार चिराग ने बताया कि उसकी पालिका बाजार के पास दही, लस्सी व पनीर की दल नाम से दुकान है। देर रात करीब चार-पांच युवक उसकी दुकान पर आए और बाल्टी में रखा पनीर उठाकर खाने लगे। जब चिराग ने उन्हें ऐसा करने से रोका तो युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। इस घटना से घबराकर चिराग ने तुरंत आर्य नगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दी।

व्यापारियों का आरोप, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रही पुलिस, हमसे ही सवाल-जवाब किए गए



रोहतक। विरोध प्रदर्शन करते व्यापारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा उद्योग व्यापार हित मंडल सहित अन्य व्यापारी संगठनों में नाराजगी है। प्रदेशाध्यक्ष अनिल माटिया ने कहा कि दुकानदार ने समय रहते पुलिस को सूचना दी थी, इसके बावजूद पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई। पुलिस ने पीड़ित से ही आरोपियों की जानकारी जुटाने को कहा, जबकि यह पुलिस की जिम्मेदारी थी। व्यापारियों ने आर्य नगर थाना पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और एस्पी से मामले में त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

पीड़ित ने बताई आपबीती पुलिस पर उठाए सवाल

दुकानदार के अनुसार, पुलिस के दुकान से निकलते ही कुछ देर बाद वही युवक लाठी-डंडों के साथ देवारा लाटू आए। उन्होंने दुकान में घुसकर तोड़फोड़ शुरू कर दी और शीशा भी तोड़ दिया। चिराग ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उससे आरोपियों के नाम और मोबाइल नंबर पूछे। जब चिराग ने बताया कि वह उन्हें पहचानता नहीं है, तो पुलिसकर्मियों ने कहा कि सुबह तक नाम और नंबर बता देना, तब कार्रवाई की जाएगी।

आर्य नगर थाना के एसएचओ बिजेन्द्र कुमार ने बताया कि दुकानदार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। दो आरोपियों की पहचान सजय नगर क्षेत्र के रहने वालों के रूप में हुई है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना ने व्यापारियों में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद होंगे।

मेरा शहर मेरी समस्या सेक्टर-14 सामुदायिक केंद्र बना कूड़ादान, लोगों के स्वास्थ्य पर असर मूलभूत सुविधाओं को तरस रहा शहर का पॉश इलाका, बदतर हो गए हालात

रोहतक। शहर का पॉश इलाका सेक्टर-14 में मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यहां हालात बदतर होते जा रहे हैं। बीमारियों फैलने का खतरा बना हुआ है। नगरिकों को भारी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लोगों ने सेक्टर-14 के सामुदायिक केंद्र को कूड़ा डालने का अड्डा बना दिया है। पूरे इलाके का कचरा यहीं फेंका जा रहा है, जिसे कई दिनों तक नहीं उठाया जाता। इससे आवायु पदार्थ फैलाकर गंदगी और बदबू का कारण बन रहे हैं। इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। टूटी-फूटी सड़कों के कारण दूंदतनाओं का खतरा बना हुआ है। स्वीमिंग पुल भी जर्जर हालत में पहुंच चुका है और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण कोई सुध नहीं ले रहा। हालात खराब बने हुए हैं।

सेक्टर की मुख्य मार्केट में दुकानदारों ने रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा है। निगम अधिकारियों को कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। एनफोर्समेंट टीम औपचारिक दौरा कर लौट जाती है। वहीं सेक्टर के मुख्य द्वार पर रेहड़ी-पट्टी वालों का जमावड़ा बना रहता है, जिससे गंदगी और अस्वच्छता फैल रही है। बरसात के मौसम में जलमय रास्ते समस्या भी गंभीर है।



ऐसे ही हालात रहे तो सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे

कई बार प्रशासन को शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। अगर ऐसे ही हालात बने रहें तो वह नगर निगम आयुक्त और जिला प्रशासन से मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग करेंगे और सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। -एमएल अरोड़ा, निवासी, सेक्टर 14

सड़कें हो रही जर्जर, हर तरफ कूड़े के ढेर लगे, नहीं हो रहा समाधान

नगर निगम आयुक्त को कई बार अवगत करने के बावजूद हालात जस के तस हैं। करीब डेढ़ माह से सफाई कर्मचारियों के न आने से पूरे सेक्टर में कूड़े के ढेर लग गए हैं। सड़कों की हालत भी बेहद जर्जर हो चुकी है। -सुनेहरा काजल, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए

पार्क की दीवार का टूटा हिस्सा बच्चों की सुरक्षा के लिए बन रहा बड़ा खतरा

छोटे बच्चों के पास स्थित पार्क की दीवार का एक हिस्सा कई महीनों से टूटा पड़ा है। यह बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। बच्चे पार्क में जाने से भी डर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन इसका समाधान करवाए। -राजेंद्र सिंह डांगी, उपप्रधान, आरडब्ल्यूए



हसनगढ़ होटल संचालक हत्याकांड

ब्लाइंड मर्डर में शामिल दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। जिले के हसनगढ़ निवासी होटल संचालक की चाकूओं से गोदकर की गई हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस ब्लाइंड मर्डर की गुथी सुलझाते हुए पुलिस ने वादात में शामिल दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ में कई अहम खुलासों की उम्मीद जलाई जा रही है। स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ के प्रभारी उप निरीक्षक अश्वनी अहलावत ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पहले इस हत्याकांड में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। अब 16 जनवरी 2026 को दूसरे आरोपी रजत पुत्र करता, निवासी चांदनपुरा (उत्तर प्रदेश) को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

कुत्तों की मौत मामले में गठित कमेटी कल सौपेगी रिपोर्ट, अमी कारणों का खुलासा नहीं

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

सुनारिया जेल रोड पर एक साथ मिले 29 मृत कुत्तों के मामले में नगर निगम द्वारा गठित जांच कमेटी सोमवार को अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौपेगी। इस घटना ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी, जिसके बाद नगर निगम, पशुपालन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि कुत्तों की मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, क्योंकि बिसरा रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार मौके से लिए गए सैंपल जांच के लिए लुवास लैब में भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि कुत्तों की मौत किसी जहरीले पदार्थ से हुई या फिर इसके पीछे कोई अन्य कारण है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई थी

मामले की जांच पड़ताल की

मामले की जांच पड़ताल की गई। जो जानकारी सामने आई है, उसके आधार पर सोमवार को इस मामले में जांच कमेटी द्वारा रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। -आशीष कुमार, एसडीएम

कि मृत मिले 25 कुत्ते ऑपरेट किए हुए थे, जबकि चार अन्य आसपास के क्षेत्र के बताए गए थे। इससे यह आशंका भी जताई जा रही है कि कुत्तों को कहीं और से लाकर यहाँ फेंका गया हो। नगर निगम ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कुत्तों को यहाँ कौन छोड़कर गया।

बुढ़ापा पेंशन पांच हजार करने की मांग की

रोहतक। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूपसिंह मातनहेल ने हरियाणा सरकार से बुढ़ापा पेंशन 5000 रुपये प्रति महीना करने और प्राइवेट बसों में आधे किराए के प्रावधान को कड़ाई से लागू करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने ना तो बुजुर्गों को बुढ़ापा पेंशन बढ़ाई और ना ही प्राइवेट बसों में किराए में मिलने वाली छूट का प्रावधान लागू करवा रही है। सरकार द्वारा बुजुर्गों को किराए में दी गई 50 प्रतिशत की रियायत को निजी बस परिचालक मानने से साफ इनकार कर रहे हैं और उनसे पूरा किराया वसूला जा रहा है।

खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम : कुलपति

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में शनिवार से अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला टेनिस प्रतियोगिता का मध्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है और इस तरह की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ आपसी सौहार्द और खेल भावना को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना को सर्वोपरी रखते हुए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि एमडीयू खेलों के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन से विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति और अधिक सुदृढ़ हो रही है। उन्होंने सभी टीमों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सहायक निदेशक खेल डॉ. तेजपाल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला टेनिस प्रतियोगिता में देश के चारों जिलों की कुल 16 विश्वविद्यालय टीमों भाग ले रही हैं।

खरक जाटयान हमले के बाद पीड़ित परिवार को धमकियां समझौते का दबाव बढ़ा

रोहतक। जिले के ब्लॉक लाखनमाजरा के गांव खरक जाटयान में खेत में नहरी पानी लगाने के दौरान दो सगे भाइयों पर हुए जानलेवा हमले के मामले में अब नया मोड़ ले लिया है। हमले में घायल मंजीत और उसके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी उन पर केस में समझौता करने का दबाव बना रहे हैं, जिससे परिवार में डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। घायल मंजीत ने बताया कि वह अपने भाई जयदीप के साथ खेत में नहर का पानी लगाने गया था। वहीं दौरान कुछ लोग उनके खेत में बैठकर शराब पी रहे थे। जब मंजीत और जयदीप वहां पहुंचे तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और उनके साथ बदसलूकी करने लगे। हालात बिगड़ते देख मंजीत ने अपने मोबाइल फोन में ऑफिस और वॉडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। इससे नाराज होकर आरोपियों ने दोनों भाइयों पर लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से हमला कर दिया। मंजीत का कहना है कि घटना के बाद से आरोपी खुलेआम उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपी लगातार यह दबाव बना रहे हैं कि दर्ज मामले में समझौता कर लिया जाए।

गणतंत्र दिवस के चलते शहर की सुरक्षा कड़ी, चैकिंग तेज पुलिस ने खंगाले होटल और गेस्ट हाउस

हरिभूमि न्यूज | रोहतक

गणतंत्र दिवस को लेकर रोहतक पुलिस ने जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। इसी कड़ी में पुलिस द्वारा विशेष चैकिंग अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के तहत अलग-अलग पुलिस टीमों को तैनात कर होटल, गेस्ट हाउस, ढाबे, धर्मशाला और अन्य ठहरने वाले स्थानों पर गहन जांच की जा रही है। पुलिस का मकसद जिले में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते रोक लगाना और कानून-व्यवस्था को बनाए रखना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विशेष अभियान के तहत शहर व ग्रामीण इलाकों में स्थित सभी होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस को चेक किया जा रहा है। यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पुलिस टीमों में मौके पर रजिस्टर की जांच कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ठहरने वाले हर व्यक्ति का पूरा नाम, पता और पहचान पत्र का विवरण रिकॉर्ड में दर्ज हो।



रोहतक। गणतंत्र दिवस को लेकर होटल को चेक करते पुलिस अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

संवेदनशील स्थलों की बढ़ाई सतर्कता

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर यह चैकिंग अभियान और तेज किया गया है। किसी भी असामाजिक तत्व की गतिविधि पर नजर रखने के लिए होटल और सार्वजनिक ठहराव स्थलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना जा रहा है। इसी कारण सभी थाना और चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में अपने-अपने क्षेत्रों में सर्चिंग और कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है।

संदिग्ध व्यक्तियों की हो रही जांच

अभियान के दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। उनके पहचान पत्र, आने-जाने के उद्देश्य और ठहरने की अवधि की जानकारी ली जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह पूर्ण प्रतिक्रिया आगजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आपकी ताकत

Presents

In Association with

LPS BOSSARD

Proven Productivity

HARYANA'S BIGGEST DEVOTIONAL & PATRIOTIC MUSIC FESTIVAL

BHAJAN CLUBBING

On 20th January 2026, 5:00pm Onword

Venue Partner

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan

Chief Guest: **Sh. Mahipal Dhandu** Education Minister Haryana

Preside Over: **Sh. Rajesh Jain** MD, LPS Bossard

Prof. Sudesh Vice Chancellor BPSMV

Guest of Honour:

श्री जय सिंह ठेकेदार पूर्व महासचिव, कृषा मुहकूल खानपुर एवं मेसवात कला

Smt. Rajni Virmani नगर परिषद चेयरपर्सन गौहाना

Sh. Indrajit Virmani अध्यक्ष पंजाबी महासभा गौहाना

Sh. Anuraj Antil एमडी, क्रोनस इंफॉर्टिक एंड बेसनेस

Co-Sponsors:

BSP Jain Skill Development Centre

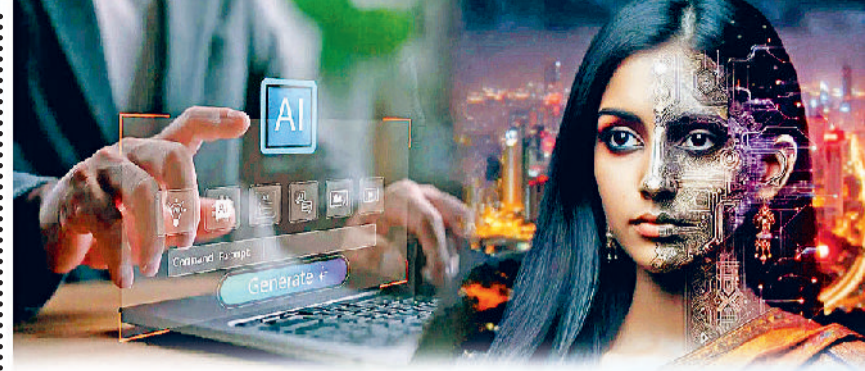
Kronus GROWTH AND CHALLENGE

हरिभूमि राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Sponsors: airtel, TATA PLAY, FCB HARYANA, DEN, PNB, 363 1925 330 326 330 326, जनता TV, 458, dailyhunt, public



इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बर्दियों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।



डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरों की बहाव है। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

की सी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।
किए जा रहे हैं रोकने के प्रयास: डीपफेक के मिसयूज पर लगातार लगे हुए पिछले महीने लोकसभा में रेगुलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगातार लगे। इस बिल में किसी भी एआई जनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुमाने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरों हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनिश्चय का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगातार लगे हुए खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।
कंटेंट शेयरिंग में समझदारी: किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज तस्वीरों ही वचुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटो मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं।
ऑटोफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आप दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपटेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्षों में तकनीकी एडवॉन्समेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाजत है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

कवर स्टोरी शिखर चंद जैन

जेन जी का जिज्ञा आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।
कूल लाइफस्टाइल को महत्व: जेन जी के युवाओं का इंटरनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएंगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।
सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेस: बढ़ती



आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।
टेक्नोफेशन का ट्रेंड: जल्द ही 'व्हाइट लमजरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोलड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसिंग को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टूलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइट लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यांत्रिक हार्डवेयर जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अक्सर ब्ल्यूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस प्रोग्रेस को निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक



रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की टैगल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।
प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटी: आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश

हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।
टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूज: आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा



जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि जेनरेशन बीटा का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जेनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवॉन्स जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।



अमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलना कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वाली की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठीक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात् इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिपल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंगों को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।
कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझा ढलने के बाद दही, छाछ चूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलिएयां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वनां

लवंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना



आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए!
कड़्यों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसी में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?
जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।
ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।
मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। वे महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

गजल कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में बड़ी यशस्वी गि्ली रमको तुम्हारी सोहबत में, जूटों से जुड़ एक देखो तुम्हारी सोहबत में।
मेरे कदकों की आरत गली भी जानती है, उसे भी मिल रही शोरत तुम्हारी सोहबत में।
सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था ठोसता भी, सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।
सादगी में कंक ढका है रूप का दरिया मगर, आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।
जगना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है, रिमात्य तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।
तपी थी दोपहर फिर भी मुकदर से गि्ली रमको मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान का फी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरें और एक प्यारा सा कागज का हवाई

जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए

जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-



दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारण है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोंवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इफेक्शन, इन्फ्लूएंजा फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

किन् मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन - सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं
इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर



गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों में चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहत खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

कश्मीर चौपटी

मत्तौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दियों के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैप्टी फाल्स, लोक मिस्ट, मसूरी झील, भद्रा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्राज मंदिर दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंडौर, बालेंगोज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डस आदि।



नैनीताल



ऊटी



दार्जिलिंग



कुर्ग (कोडगु)

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटिंग क्लब में पोथों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एक हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटें हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डन में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डिजर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत

और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कुर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कुर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट जाड़ों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हार्डिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एग्रीकल्चर नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हार्डिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *



कॉल फॉर्वार्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वार्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकांशन

वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरीकों अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सॉलिविटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों को इस नई चाल के सामने आने के बाद गुगल मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वार्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वार्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहाँ से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वार्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वार्ड होने लगती हैं। ऐसे होता है कॉल फॉर्वार्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार,

जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी कॉल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है। अगर कॉल फॉर्वार्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक अकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में कॉल फॉर्वार्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फॉर्वार्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं। आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार कई तरीकों से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को खिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके अकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है। **रहें सावधान:** इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल करना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था विशेष सतर्कता बरतने को सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *



डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को खिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।



हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। **नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित:** लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनेकोष्ट पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्मूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चूटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कथाओं के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैक्वैटर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, चूटीली मुस्कान और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू

कासिंग लुंग-पाप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पाप मार्ट के साथ साझेदारी की। पाप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच काफी पॉपुलर होने लगीं। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त



लाबुबू के संग पाप मार्ट के सीईओ वंग निंग

जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच काफी पॉपुलर होने लगीं। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त

लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनेकोष्ट चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पाप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

कड़ियों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्जर्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्जर्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं। **सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता:** अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्जर्स से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पाप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्रहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्रहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वीडियन संस्कृति से जुड़ी है। *



नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारी लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

फिल्म ट्रेड सरवर्ती रमेश

बॉलीवुड में महानगरो और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्मों में दर्शकों ने खूब पसंद की, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'खी' देखी। 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।



फिल्म 'खी' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

सैंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सैंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूँ न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सैंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टार 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं। **महेश्वर घाट:** नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्मों शूट हो चुकी हैं।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्मों भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग



'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा



पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पिके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सैंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सैंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूँ न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सैंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टार 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं। **महेश्वर घाट:** नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्मों शूट हो चुकी हैं।



महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग



सैंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूँ न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडे: द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्मों में भी यहां फिल्माई गई। **कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस:** 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिदुर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्मों शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *